माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

नवीन ब्लूप्रिन्ट आधारित
आदर्श प्रश्न पत्र एवं आदर्श उत्तर

कक्षा 10वीं

हिन्दी सामान्य
2008–2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल
(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– X   परीक्षा : हाईस्कूल   पूर्णांक :– 100
विषय :– हिन्दी सामान्य   समय : 3 घण्टे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10अंक	
1.	**पद्य खण्ड** – पद्यांश की व्याख्या, सौन्दर्य बोध एवं विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न।	25	8	3	1	–	4
2.	**गद्य खण्ड** – अर्थ ग्रहण एवं विषयवस्तु पर आधारित बोध प्रश्न।	25	8	3	1	–	4
3.	**गद्य की विधाएं** – विधाओं के सामान्य परिचय पर प्रश्न।	05	1	1	–	–	1
4.	**व्याकरण** – संधि, समास – भेद तत्सम, तद्भव, देशंज एवं आगत शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्य के प्रकार, (रचना एवं अर्थ के आधार पर) वाक्य शुद्धिकरण, विराम चिन्ह, मुहावरे/लोकोक्ति।	20	8	3	–	–	3
5.	**अपठित बोध** – गद्यांश एवं पद्यांश शीर्षक सारांश एवं प्रश्न।	10	–	–	2	–	2
6.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
7.	**निबन्ध लेखन**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**10**	**05**	**01**	**16+5=21**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प का चयन तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1X 5 = 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोटः– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) शेष इकाइयों से किया गया है।

आदर्श प्रश्न पत्र – 2009
Class - X
विषय – हिन्दी सामान्य

समय 3 घण्टे | पूर्णांक – 100

निर्देश :–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।
3. आरम्भ में दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल कीजिए।
4. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के लिए (1X5 X5 = 25) एक–एक अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्रमांक 6 से 15 तक के लिए चार–चार अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक पाँच अंक प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित है।
7. प्रश्न क्रमांक 21 के लिए दस अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्दों का चयन करके कीजिये– 5

1) तुलसीदास के आराध्य देव .... थे।

राम / कृष्ण

2) विद्वता की शोभा .... है।

ज्ञान / विनम्रता

3) शबरी की कुटिया में .... आए थे।

गौतम बुद्ध / राम

4) ‘सूखी डाली’ एकांकी ....पृष्ठभूमि पर लिखा एकांकी है।

ऐतिहासिक / पारिवारिक

5) ‘जस’ शब्द का तत्सम रूप ....है।

जैसा / यश

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए– **5**

1) मीरा को कौन सा 'अमोलक धन' मिला है?
2) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कौन सी पत्रिका का सम्पादन किया था?
3) 'जो स्मरण करने योग्य हो' शब्द समूह के लिए एक शब्द बताईए।
4) नौ दो ग्यारह होना' का क्या अर्थ होता है।
5) हास्य से कौन सा हार्मोन्स स्त्रावित होता है?

प्रश्न 3. स्तभं 'क' से 'ख' का मिलान कर सही जोड़ी बनाईए– **5**

	स्तंभ 'क'	**स्तंभ 'ख'**
1)	पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाने वाला स्थान	1) भाग्यवादी
2)	पीड़ा को दुलारने वाला कहा गया है	2) पूर्ण विराम
3)	कर्म के सौंदर्य से परिचित नहीं हो पाते	3) बहुज्ञ
4)	अल्पज्ञ का विरूद्धार्थी शब्द	4) घनश्याम
5)	वाक्य के पूरा होने पर प्रयोग किया जाता है	5) कश्मीर

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यों के लिए सत्य / असत्य का चयन कीजिए– **5**

1) ''अरविन्द ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की।'' इच्छा वाक्य है।
2) डायरी लेखक की निजी वस्तु होती है।
3) पृथ्वी और नारी दोनों को क्षमाशील कहा गया है।
4) दुष्यंत कुमार ने ग़ज़ल लेखन में लोकप्रियता प्राप्त की है।
5) हल चलाने वाले स्वभाव से कठोर हो जाते हैं।

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए– **5**

1) समास रचना प्रक्रिया में लोप हो जाता है–

अ–शब्दों का   स–विभक्तियों का

ब–वाक्यों का   द–विराम चिन्हों का

2) **भारत की सांस्कृतिक विविधता को माना जाता है–**

अ–समस्या के रूप में | स–बोझ के रूप में

ब–सजावट के रूप में | द–सफलता के रूप में

3) **'तुम वही दीपक बनोगे' कविता सम्बोधित की गई है–**

अ–सैनिकों को | स–शिक्षकों को

ब–मजदूरों को | द–युवा पीढ़ी को

4) **गोश्रीनगर भारत के राज्य में स्थित है–**

अ–मध्यप्रदेश | स–कर्नाटक

ब–केरल | द–गुजरात

5) **अमिता महारानी थी–**

अ–कलिंग की | स–अजमेर की

ब–दिल्ली की | द–अवन्ति की

प्रश्न 6. 'मन के अंदर उग आए परदेश में' पंक्ति में परदेश शब्द किस भाव की ओर संकेत करता है? **4**

अथवा

'तुम्हारी विरासत' कविता में 'इसमें फूटेंगी सुबह की किरणें' पंक्ति कवयित्री के किस दृष्टिकोण को प्रकट करती है।

प्रश्न 7. कवि दुष्यन्त कुमार को दुख में भी आशा की किरण कहाँ–कहाँ दिखाई दे रही है? **4**

अथवा

वर्षा के आगमन पर धरती में क्या–क्या परिवर्तन होते हैं?

प्रश्न 8. कर्मवीर मनुष्य की विशेषताएँ बताईए। **4**

अथवा

'वह देश कौन सा है' कविता में कवि ने भारत देश की कौन–कौन सी विशेषताएँ बताई हैं?

प्रश्न 9. भूतकालीन साहित्य से हमें क्या ग्रहण करना चाहिए? स्पष्ट कीजिए **4**

अथवा

मनुष्य का साधारण जीवन श्रेष्ठता कब प्राप्त कर सकता है?

प्रश्न 10. 'प्रकृति परमात्मा का ही रूप है' इस कथन को स्पष्ट कीजिए। **4**

अथवा

'सूखी डाली' एकांकी के माध्यम से संयुक्त परिवार की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मुस्कुराना क्यों आवश्यक है? **4**

अथवा

'सादा जीवन उच्च विचार' का जीवन में क्या महत्व है?

प्रश्न 12. रिपोर्ताज किसे कहते है? रिपोर्ताज की दो विशेषताएँ बताते हुए दो रिपोर्ताज लेखकों के नाम लिखिए। **4**

अथवा

निबन्ध की कोई एक परिभाषा लिखिए। भारतेन्दु युग के निबन्धों की एक विशेषता, दो प्रमुख निबन्धकार व उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

प्रश्न 13. **क – निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए–(कोई दो)** **4**

अंधे की लाठी, मिट्टी में मिलाना, लोहा मानना

ख – लोकोक्ति किसे कहते हैं? कोई एक उदाहरण दीजिए।

अथवा

क – निम्न में से कोई दो वाक्य शुद्ध करके लिखिए–

1) मेरे पास अनेकों पुस्तके हैं।

2) मुझे आटा पिसवाने जाना है।

3) एक फूल की माला लाओ।

ख – रिक्त स्थानों की पूर्ति सही वर्तनी चुन कर कीजिए–

1) माता–पिता हमारे .... होते है।

पूजनीय / पूज्यनीय

2) माता–पिता के .... से ही हम सफल होते हैं।

आर्शीवाद / आशीर्वाद

प्रश्न 14. क – निम्न शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए– (दो–दो) **4**

पानी, फूल

ख – निम्न शब्दों के विरूद्धार्थी शब्द लिखिए–

उत्थान, आदि

अथवा

क – निम्न शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

कान, माप

ख – निम्न शब्दों के तद्‌भव रूप लिखिए–

छत्र, कुम्भकार

प्रश्न 15. क – निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाइए तथा समास का नाम भी लिखिए– **4**

1) दश आनन हैं जिसके

2) हाथ से लिखा

ख – निम्नलिखित शब्दों की संधि विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए–

1) मतानुसार

2) जगदीश

अथवा

क – यथा निर्देश वाक्य परिवर्तन कीजिए–

1) कश्मीर बहुत सुंदर है। (विस्मयादिबोधक वाक्य)

2) तुम विद्यालय जाओगे। (आज्ञावाचक वाक्य)

ख – निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए–

1) कृपया राह बताने की कृपा करें।

2) गाय और बैल घास चर रही हैं।

प्रश्न 16. 'संस्कृति का स्वरूप' पाठ के आधार पर भारतीय संस्कृति की विशेषता लगभग 75 शब्दों में लिखिए। **5**

प्रश्न 17. निम्न लिखित में से किसी एक पद्यांश की प्रसंग–सदर्भ सहित व्याख्या कीजिए– **5**

जनम–जनम की पूँजी पाई, जग में सबे खोवायौ।
खरचे नहिं कोई चोर न लेवे, दिन–दिन बढ़त सवायौ।
सत की नाव खेवटिया सतगुरू, भवसागर तरि आयौ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरखि–हरखि जस गायौ।

अथवा

पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया,
शिक्षित किया सुधारा वह देश कौन–सा है?
छोड़ा स्वराज्य तृणवत, आदेश से पिता के,
श्रीराम थे जहाँ पर, वह देश कौन–सा है?

प्रश्न 18. अपठित गद्यांश – निम्न लिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **5**

वृक्ष धरती के श्रृंगार हैं। सभी वृक्ष मरने से पहले संतान छोड़ जाने के लिए व्यग्र हैं। बीज ही गाछ–बिरछ की संतान है। बीज की सुरक्षा व सार–संभार के लिए पेड़ फूल की पंखुड़ियों से घिरा एक छोटा सा घर तैयार करता है। फूलों से आच्छादित होने पर पेड़ कितना सुदंर दिखलाई पड़ता है। जैसे फूल–फूल के बहाने वह स्वंय हँस रहा हो। सोचने में कितना सुंदर लगता है कि गाछ–विरछ तो

मटमैली माटी से आहार व विषाक्त वायु से अंगारक ग्रहण करते हैं, फिर इस अपरूप उपादान से किस तरह ऐसे सुंदर फूल प्रदान करते है। ये फूल प्रकृति का मानव मात्र पर स्नेह बरसाने का साधन हैं।

प्रश्न – 1 उपर्युक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक लिखिए।

प्रश्न – 2 गद्यांश में प्रयुक्त निम्न शब्दों के विलोम लिखिए –

सुंदर, स्नेह

प्रश्न – 3 प्रकृति का मनुष्य पर स्नेह बरसाने का साधन कौन–सा है? बदले में वृक्ष प्रकृति से क्या लेते हैं।

प्रश्न 19. निम्न लिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **5**

फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का

प्रश्न – 1 फसल पर किसका जादू चलता है

प्रश्न – 2 पद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक दीजिए

प्रश्न – 3 इस पद्यांश में कवि ने फसल के लिए किसके हाथों के स्पर्श की महिमा बताई है? फसल किसकी किरणों का रूपांतर है?

प्रश्न 20. अपने मित्र को पत्र लिखकर परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने पर बधाई दीजिए। **5**

अथवा

बाढ़ के कारण परिवहन व्यवस्था न होने से आप विद्यालय नहीं जा सके। प्राचार्य को अनुपस्थिति का कारण स्पष्ट करते हुए तीन दिन का अवकाश देने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्रश्न 21 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए– **10**

1) कम्प्यूटर आज के जीवन की आवश्यकता
2) जल ही जीवन है:
3) मेरा प्रिय मित्र
4) आतंकवाद की समस्या
5) राष्ट्रीय एकता

——//——

आदर्श उत्तर – 2009
Class - X
विषय – हिन्दी सामान्य

समय 3 घण्टे | पूर्णांक – 100

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर– 5

उत्तर 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति

1) राम 2) विनम्रता 3) राम

4) पारिवारिक 5) यश

उत्तर 2 एक शब्द अथवा एक वाक्य में उत्तर– 5

1) राम नाम 2) सरस्वती 3) स्मरणीय

4) भाग जाना 5) कोरेलामिन्स

उत्तर 3 जोड़ियों का सही मिलान – 5

1) कश्मीर 2) घनश्याम 3) भाग्यवादी

4) बहुज्ञ 5) पूर्ण विराम

उत्तर 4 वाक्यों में सत्य / असत्य का चयन– 5

1) असत्य 2) सत्य 3) सत्य

4) सत्य 5) असत्य

उत्तर 5 वाक्यों में सही विकल्प का चयन– 5

1) विभक्तियों का 2) सजावट के रूप में

3) युवा पीढ़ी को 4) केरल

5) कलिंग की

उत्तर 6 कवयित्री ने 'परदेश' शब्द का प्रयोग जीवन के सूनेपन, अकेलेपन को व्यक्त करने के लिए किया है। जिस प्रकार परदेश में सभी अपरिचित होते हैं। कोई साथी नहीं होता। अकेलेपन की अनुभूति 4

होती है। इसी प्रकार इसी भाव को व्यक्त करने के लिए कवयित्री ने मन के अंदर उग आए परदेश के माध्यम से मन के सूनेपन की व्यथा को व्यक्त किया है, जहाँ किसी परिचित का आगमन नहीं है।

अथवा

'फूटेगी सुबह की किरणें' पंक्ति में किरणें शब्द प्रतीक रूप में लिखा गया है। जिस प्रकार प्रातःकालीन किरणें अन्धकार को भेद कर नए जीवन नई चेतना, नई ऊर्जा का सन्देश देती है उसी प्रकार कवयित्री स्मृतियों को सजाती है। अपनी यादों के द्वारा जीवन में नए उत्साह, नई उमंग और नवीनता को ले जाने वाले विचारों के रूप में 'किरणों का स्वागत करना चाहती है।

उत्तर 7 कवि दुष्यन्त कुमार ने संकेतों के माध्यम से प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ने के लिए अनुकूल मार्ग ढूँढ लिए हैं। कवि को जीवन की लहरों से टकराती नाव के लिए 'ठंडी हवा' अर्थात जीवन को प्रेरणा देने वाले तत्व, अन्धेरे से लड़ने के लिए तेल में भीगी बाती अर्थात घनघोर निराशा के क्षणों में विरोध की हल्की सी झलक आशा की किरण के रूप में दिखाई देती है। चाहे सारे नगर में अन्धेरा हो किंतु उस मार्ग को कवि ने खोज लिया है जो उन्हें सुबह तक ले जाएगा। अपनी दृढ इच्छा शक्ति अपने हौसले, अपनी ताकत में कवि ने आशा की किरणों को खोज लिया है। **4**

अथवा

वर्षा के आगमन पर मुरझाई धरती हरी–भरी हो जाती है। जब आकाश में बादल उमड़ते–घुमड़ते हैं तब खाली गागरें जल से भर जाती है। बाग–बगीचे फूलों से महक उठते हैं, मरूस्थल नम हो जाता है। पेड़ों की छाया अधिक धनी हो उठती है। दूर कही से बाँसुरी की मधुर तान सुनाई देने लगती है।

उत्तर 8 कर्मवीर मनुष्य विघ्न से घबराते नहीं है, भाग्य के भरोसे रहकर दुःख से नहीं भागते, कठिन काम से उकताते नहीं है वीरता का दिखावा नहीं करते, बुरे दिनों को भी अनुकूल बना लेते हैं दुर्गम पहाड़, जंगल, अग्नि, जलराशि से डरकर कभी हारते नहीं है। अपने काम को अधूरा नहीं छोड़ते धन के मोह में नहीं फँसते, हीरा या पत्थर उनके लिए समान होता है। पर्वतों को काटकर रास्ता बनाते मरूभूमि में नदी बहा देने का हौसला रखते हैं। घनघोर जंगलों की भयावहता में भी वे मंगल मना लेने का साहस रखते हैं। **4**

अथवा

भारत वर्ष की विशेषता बताते हुए कवि रामनरेश त्रिपाठी कहते हैं कि भारत प्रकृति की सुरम्य गोद में बसा है। स्वर्ग का सुख यहाँ पर है। भारत जिसके पाँव सागर पखारता है तथा मुकुट के रूप में हिमालय जगमगा रहा है। रसीले फलों, अमृतमय जल, सुदंर फूलों से सजा ये भारत देश है। जहाँ मैदान, पर्वत, वन हरियालियों से लहक रहे हैं अनन्त धनराशि जिसके गर्भ में छुपी है वह संसार का शिरोमणि देश भारत ही है। जिसने विश्व को ज्ञान देकर जगाया जहाँ राम जैसे आदर्श पुत्र भरत–लक्ष्मण जैसे आदर्श भाई हुए, जहाँ निष्पक्ष न्यायाधीश हुए वह हमारा भारत वर्ष ही है।

उत्तर 9 भूतकालीन साहित्य से हमें आत्मत्याग और मानवसेवा का सबक लेना होगा। हमें अपनी कला में से आध्यात्म भावों को, प्रतिष्ठा और सौन्दर्य विधान के अभिप्रायः को स्वीकार करना चाहिये। अतः साहित्य इसमें सहायक सिद्ध हो सकेगा। भूतकालीन साहित्य खाद बनकर हमारे वर्तमान को उपजाऊ बना देगा। **4**

अथवा

मनुष्य श्रेष्ठता को तभी प्राप्त करता है जब उसका प्रत्येक कर्म

दूसरों को समर्पित हो। परस्पर निष्कपट सेवा से मनुष्य जाति का कल्याण होता है मनुष्य तब श्रेष्ठ बनता है। जब वह धन, ऐश्वर्य, बल पराक्रम का दिखावा छोड़कर स्वयं के श्रम पर विश्वास करे और अतःकरण की कोमलता को अपने विचारों अपने कर्मों में स्थान दे।

उत्तर 10 प्रकृति परमात्मा का रूप है। जिस प्रकार हमें कोई शारीरिक कष्ट पहुँचाए तो हमें और हमारी आत्मा को क्लेश होता है उसी प्रकार यदि धरती के साथ भी जैसा व्यवहार किया जाएगा हमें भी वही प्रतिदान मिलेगा। पृथ्वी जड़ नहीं चैतन्य है। धरती को नदी, पहाड़, तालाब, समुद्र भार नहीं लगते किंतु प्रकुति के नियमों के विपरीत चलने वाला भार समान लगता है। पर्यावरण संरक्षण प्रकृति के परमात्मा रूप को पूजने का साधन है। **4**

अथवा

सूखी डाली एकांकी के माध्यम से एकांकीकार ने संयुक्त परिवार की महत्ता बताई है। जिस प्रकार विशाल हरा–भरा वट वृक्ष अपनी शाखा–प्रशाखाओं में पूर्ण होता है, विभिन्न प्राणियों, पक्षियों का आश्रय स्थल होता है जहाँ हर सदस्य फलता–फूलता है। कोई शाखा यदि वृक्ष से टूटकर अलग हो जाए तो सूख जाती है उसी तरह संयुक्त परिवार से अलग सदस्य पनप नहीं पाता है।

उत्तर 11 हँसना–मुस्कुराना, खिलखिलाना शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन का स्वर्णिम सूत्र है। हँसने से मानसिक तनाव दूर होते हैं। हमारी हँसी से जग हँसता है और दुर्भावनाएँ मलिनताएँ दूर होती है आपसी सम्बन्ध सरस विश्वसनीय और सुदृढ़ होते हैं जो कि सामाजिक जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। **4**

अथवा

जीवन में सादगी होने पर व्यक्ति दिखावा नहीं करता

सादगीपूर्ण जीवन देखा देखी में नहीं पड़ता इस कारण ईर्ष्या, द्वेष आदि विकार मन में नहीं आते। हमारा रहन–सहन हमारे आचरण को प्रभावित करता है। सादगी से शांति, प्रेम का भी गहरा सम्बन्ध है दिखावा तनाव देता है जबकि सादगी मन में शुद्ध विचारों को जन्म देकर विचारवान और विवेकशील बनती है।

उत्तर 12 ‘रिपोर्ताज’ फ्रांसीसी शब्द है जिसका अंग्रेजी शब्द ‘रिपोर्ट’ से निकट संबंध है। किसी घटना के वास्तविक वर्णन को रिपोर्ताज कहा जाता है। आँखों देखी घटनाओं पर ही रिपोर्ताज की रचना संभव है इसका जन्म वास्तव में पत्रकारिता के साथ साहित्य के संयोग से हुआ। रिपोर्ताज लेखक वास्तविक घटनाओं को कल्पना की मदद से रोचकता से प्रस्तुत करता है। उसमें पत्रकार के गुण उसे सफल रिपोर्ताज के रूप में स्थापित करने में मददगार होते हैं। **4**

विशेषता – (1) इसकी शैली में वर्णनात्मकता होती है।

(2) सरलता, रोचकता, आत्मीयता आदि का इसमें विशेष महत्व है।

लेखक – धर्मवीर भारती, रांगेयराघव, कमलेश्वर, विष्णु प्रभाकर, निर्मल वर्मा।

अथवा

निबन्ध की परिभाषा–

रामचन्द्र शुक्ल –‘‘यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी’’।

अन्य परिभाषाएँ भी दी जा सकती है। भारतेन्दु युग के निबन्धों में समाज सुधार की भावना राजनीतिक चेतना हास्य–व्यंग्य की प्रधानता मिलती है। प्रमुख निबन्धकार–

(1) प्रतापनारायण मिश्र – भौ, धोखा, दाँत आदि रचनाएँ है

(2) बालकृष्ण भट्ट – भटट् निबन्धावली, चन्द्रोदय आदि

उत्तर 13 **(क) मुहावरों का अर्थ – (कोई दो)** **4**

(1) **अंधे की लाठी – एक मात्र सहारा**

वाक्य– आशीष अपने पिता की देखभाल करता है। भाई की मृत्यु के बाद वही अपने पिता के लिये **अन्धे की लाठी** है।

(2) **मिट्टी में मिलाना – बर्बाद करना**

वाक्य– चोरी करते रंगे हाथ पकड़े जाकर विनोद ने अपने पिता की इज्जत **मिट्टी में मिला** दी।

(3) **लोहा मानना – श्रेष्ठता स्वीकार करना**

वाक्य– विदूषी राधा के तर्क सुनकर सभी ने उसकी तर्क शक्ति का **लोहा मान** लिया।

(ख) लोक में प्रचलित उक्ति को लोकोक्ति कहते है?

कोई एक उदाहरण छात्र स्व विवेक से लिखें

अथवा

(क) वाक्य शुद्धि करण (शुद्ध वाक्य)–

1) मेरे पास अनेक पुस्तकें हैं।

2) मुझे अनाज पिसवाने जाना है।

3) फूलों की एक माला लाओ।

(ख) सही वर्तनी –

1) पूजनीय

2) आशीर्वाद

उत्तर 14 **(क) पर्यायवाची शब्द –** **4**

पानी – जल, नीर एवं अन्य शब्द भी हो सकते है।

फूल – पुष्प, कुसुम एवं अन्य शब्द भी हो सकते है।

(ख) विरूद्धार्थी शब्द –

उत्थान – पतन

आदि – अंत

अथवा

(क) तत्सम रूप – कर्ण, वाष्प

(ख) तदभव रूप – छाता, कुम्हार

उत्तर 15 (क) **विग्रहों के समस्त पद –** **4**

दश आनन हैं जिसके अर्थात रावण–बहुबिही समास

हाथ से लिखा हस्तलिखित – तत्पुरूष समास

(ख) **संधि विच्छेद**

अ+अ =आ = मत + अनुसार = मतानुसार – दीर्घ संधि

जगत्+ईश = जगदीश – व्यंजन संधि

अथवा

(क) **वाक्य परिवर्तन**

1) वाह! कश्मीर बहुत सुंदर है।

2) तुम विद्यालय जाओ।

(ख) **वाक्य शुद्ध करना**

1) कृपया राह बताएँ अथवा राह बताने की कृपा करें।

2) गाय और बैल घास चर रहे हैं।

उत्तर 16 भारतीय संस्कृति के बारे में विद्यार्थी अपने विवेकानुसार उत्तर देंगे। जैसे अलग–अलग प्रांतों के रीति–रिवाज, खान–पान, रहन–सहन, बोली, वेश–भूषा आदि की विभिन्नता पर प्रकाश डालेंगे। भारतीय इतिहास धर्म आदि में भी समरूपता है। पौराणिक लोकनायक जैसे राम, कृष्ण, बुद्ध, गुरू नानक के उपदेशों में समानता तथा समाज सुधारक राम मोहन राय, गोविन्द रानाडे आदि के उल्लेख से छात्र **5**

भारतीय सामाजिक परिवर्तनों और उनके परवर्ती प्रभावों को स्पष्ट करेंगे।

उत्तर 17 सप्रसंग व्याख्या– **5**

जनम जनम .... हरखि–हरखि जस गायौ।

पाठ – मीरा के पद

कवयित्री – मीराबाई

मूलभाव – कृष्ण के प्रति समर्पित, भक्तिभाव में विभोर होकर मीराबाई ने कृष्ण की भक्ति को अमूल्य बताते हुए उसे सांसारिक धन से श्रेष्ठ माना है। सांसारिक धन खो सकता है। खर्च हो जाता है किंतु भक्ति रूपी धन श्रेष्ठ है, वह दिन पर दिन बढ़ता जाता है। ईश्वर भक्ति रूपी धन को न तो चोर चुरा सकता है और न ही वह गंवाया जाता है। दिन–प्रति दिन उसमें वृद्धि होती जाती है। सत्य रूपी नैया को देखने वाले, पार लगाने वाले सतगुरू ही है जिनकी कृपा से मीरा सांसारिक सागर को पार कर सकती है। केवल गिरधारी कृष्ण ही उनके आराध्य है, जिनका वे हर्षित होते हुए गुणगान कर अपना जीवन सफल करती है।

अथवा

पाठ – वह देश कौन–सा है?

कवि – रामनरेश त्रिपाठी

मूलभाव – भारत भूमि की वन्दना करते हुए कवि ने भारत को ज्ञान का उपहार देने वाला कहा है। भारत ही वह देश है जिसने अज्ञानता से विश्व को जगाया, शिक्षित किया, सुधारा तथा राम के आदर्श को सामने रखते हुए आदर्श पुत्र, आदर्श राजा का उदाहरण विश्व के सामने जिसने रखा वह देश भारत ही है।

उत्तर 18 अपठित गद्यांश– 5

(प्रश्नों के उत्तर)

1) गद्यांश का सटीक शीर्षक – ''धरती के श्रृंगार वृक्ष'' या इससे मिलते– जुलते शीर्षक दिए जा सकते हैं।

2) विलोम शब्द – कुरूप, घृणा / द्वेष

3) सुंदर फूल स्नेह बरसाने का साधन है। बदले में वृक्ष माटी से आहार और विषाक्त वायु लेते हैं।

उत्तर 19 अपठित पद्यांश– 5

(प्रश्नों के उत्तर)

1) नदियों के पानी का जादू

2) पद्यांश का उपर्युक्त शीषक 'फसल' अथवा अन्य कोई शीर्षक हो सकता है।

3) फसल सूरज की किरणों का रूपान्तरण है।

उत्तर 20 आवेदन पत्र अथवा पारिवारिक पत्र निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करने पर अंक दिए जाएँगे। पत्र तीन भागों में विभाजित कर अंक योजना बनाई जाए। 5

सम्बोधन–1 अंक, पत्र का मध्यभाग (विषयवस्तु) 3 अंक, समापन अथवा प्रार्थी का नाम, परिचय आदि पर 1 अंक प्रदान किया जाए।

उत्तर 21 छात्रों द्वारा निबंध लेखन में शब्द–चयन मौलिकता, प्रस्तुतिकरण, क्रमबद्धता बिन्दुवार विषय, विस्तार, सूक्तियाँ, उदाहरण, विषयवस्तु पर मौलिक विचार, स्वयं का मत, स्थान स्थान पर मुहावरे, लोकाक्तियों का सार्थक प्रयोग किये जाने पर विवेकानुसार अंक दिये जाएँ। 10

प्रस्तुतिकरण में विषय की रूप रेखा बनाते हुए प्रस्तावना में विषय प्रवेश, मध्य में विषय विस्तार तथा उपसंहार में वैचारिक अर्न्तसम्बंध देते हुए निबंध की समाप्ति कोई ठोस सुझाव देकर की जा सकती है।

-----//------